सत्यमेव जयते
शिक्षा मंत्रालय

योऽनूचानः स नो महान् ।
केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः

29th National Session of

INDIAN YOUTH PARLIAMENT

भारतीय युवा संसद

|| Indian Languages || Panch Parivartan || Developed India 2047 ||

- भारतीय भाषाएँ
- पञ्च परिवर्तन
- विकसित भारत 2047

चैत्र शुक्ला द्वितीया-पञ्चमी, विक्रम संवत् -2083

(20-21-22-23 March, 2026)

MAHARSHI VYAS SABHAGRIH, RSS HEADQUARTER
Dr. Hedgewar Smarak, Resham Bagh, Nagpur

ഭാരതിയ യുവാ സന്സാദ്

بھارتیہ یوا سنسد

ભારતીય યુવાસંસદ

ଭାରତୀୟ ଯୁବ ସଂସଦ

ভাৰতীয় যুৱ সংসদ

பாரதிய யுவா சன்சாத்

རྒྱ་གར་གྱི་གཞོན་ནུ་གྲོས་ཚོགས

ভারতীয় যুবা সংসদ

భారతీయ యువ సంసద్

ಭಾರತೀಯ ಯುವ ಸಂಸದ

ਭਾਰਤੀਯ ਯੁਵਾ ਸੰਸਦ

EACH OTHER TOGETHER

मीडिया फाउंडेशन

www.indianyouthparliament.co.in, www.mediafoundation.co.in, www.sanskrit.nic.in

लोकतंत्र संस्कृति

Democracy Culture

वेद ऋग्वेद

THE VEDA : RIGVEDA

सभा, समिति एवं संसद् जैसे शब्दों का उल्लेख वैदिक ग्रंथों में मिलता है जो शासन में समतावादी दृष्टिकोण व जनभागीदारी के महत्वपूर्ण प्रमाण हैं। ऋग्वेद में कहा गया है कि समिति का गठन निष्पक्षता एवं समावेश के सिद्धांत के साथ किया जाना चाहिए। अथर्ववेद में सभा के लिए नरिष्टा शब्द का प्रयोग किया गया है।

Terms like Sabha, Samiti, and Sansad are mentioned in Vedic texts, and are significant evidence of egalitarian perspective and public participation in governance. The Rigveda states that the Samiti should be constituted fairly and with the principle of inclusivity. The Atharvaveda uses the term, Narishta (desired by humans), for Sabha.

सङ्गच्छध्वं सं वदध्वं सं वो मनांसि जानताम्। देवा भागं यथापूर्वे सञ्जानाना उपासते॥
समानो मन्त्रः समितिः समानी समानं मनः सह चित्तमेषाम्। समानं मन्त्रमभि मन्त्रये वः समानेन वो हविषा जुहोमि॥
समानी व आकूतिः समाना हृदयानि वः। समानमस्तु वो मनो यथा वः सुसहासति॥
(ऋग्वेद 10/191/2-4)

साथ-साथ चलें, साथ-साथ वार्ता करें। तुम्हारे मन एक समान होकर ज्ञान को प्राप्त करें। जिस प्रकार पूर्व काल में देवता एकसाथ अपने-अपने भाग को जानते हुए उसकी उपासना करते थे (वैसे ही तुम भी किया करो)। तुम्हारी मंत्रणा समान हो, समिति समान हो, और इनके मन (मनन) और चित्त (अनुभव) समान हों। मैं तुम सबको समान विचारों वाला करता हूँ और समान हवि और यज्ञ भावना से युक्त करता हूँ। तुम्हारे अभिप्राय समान हों, तुम्हारे हृदय समान हों और तुम्हारे मन समान हों। जैसे कि पूर्व से तुम्हारा मन सामंजस्यपूर्ण बना रहा है।

Come together, speak together, together let your thoughts agree, just as the gods of yore while coming to an agreement together, reverently approached their sacrificial portion. Common to them all is the solemn utterance, common the assembly, common their thought along with their perception. I (hereby) utter an utterance common to you all on your behalf; with an oblation common to you all I offer on your behalf. Common is your purpose; common your hearts; let your thought be common, so that it will go well for you together.

वेद अथर्ववेद

THE VEDA : ATHARVAVEDA

जिनको प्रजापति की पुत्रियों के समान समझा जाता है, वे सभा और समिति मेरी रक्षा करें। वे दोनों मेरे पास आएं और मुझे शिक्षा दें। हे पितर! मैं सभाओं में उत्तम भाषण करूं। हे सभे! तुम्हारा नाम हमें विदित है तुम्हें नरिष्टा कहा जाता है अर्थात् तुम सभी मनुष्यों द्वारा इच्छित हो। तुम्हारे सभासद समान वाणी वाले हों। अच्छी प्रकार से बैठे इन सभासदों से विशेष ज्ञान रूपी तेज को मैं ग्रहण करता हूँ। हे इन्द्र! इस संसद् (सभा) का मुझे सहभागी बनाओ।

Let the Samiti and Sabha who are known as the daughters of Prajapati, protect, support, and promote me. And I, too, would speak (address to) Pitar, properly to all those who assemble and meet in the Assembly Hall. (Address to) Sabha, we know you well in reality. You are the adorable favourite of the people. Therefore, may all your members speak in unison. Of all these members sitting in the Assembly, I recognise and accept the knowledge and intention, and I honour them for that. (Address to) Indra (God of the People), make me the partner of this respected Assembly.

मैं तुम्हें लाया हूँ तुम अपने अन्तःकरण को दृढ और अविचलित रखते हुए स्थिर रहो। समस्त प्रजा तुम्हारी कामना करे। तुमसे राष्ट्र भ्रष्ट न हो। तुम यहां आओ और कभी अपनी मर्यादा से च्युत न हो। पर्वत के समान अविचलित और इन्द्र के समान स्थिर होकर यहां ठहरो और राष्ट्र को धारण करो।

Rajan, I conduct you to the seat of governance in the council. Take it at the centre of Rashtra, be firm, never vacillate. Let all people love and honour you. Let not the Rashtra fall foul of you nor you swerve from the Rashtra and its honour. Stay here strong and firm, unmoved, unshakable like a mountain. Rajan, may your rule be constant as the Pole Star, and may the nation be held together. (The Sage tells the King)

प्रजाएं तुम्हारा राज्य के लिए वरण करें। ये दीप्तिमान् विस्तीर्ण दिशाएं भी तुम्हारा वरण करें। हे कामनाओं को पूरा करने वाले राष्ट्र के केन्द्र का आश्रय लो। तेजस्वी होकर हमारे लिए धन का यथायोग्य विभाग करो।

Let the people select, accept, & consecrate you to rule over the land in all five divine directions. Grace there, shining in glory, share the wealth, power, and honour of the land with us.

सभा च मा समितिश्चावतां प्रजापतेर्दुहितरौ संविदाने।येना सङ्गच्छा उप मा स शिक्षाच्चारु वदानि पितरः सङ्गतेषु॥
विद्म ते सभे नाम नरिष्टा नाम वा असि। ये ते के च सभासदस्ते मे सन्तु सवाचसः॥
एषामहं समासीनानां वर्चो विज्ञानमा ददे। अस्याः सर्वस्याः संसदो मामिन्द्र भगिनं कृणु॥
(अथर्ववेद 7/12/1-3)

इदं भवतां कृते

युवा स्यात् साधु युवाऽध्यायकः आशिष्ठो द्रढिष्ठो बलिष्ठः।" – तैत्तिरीय उपनिषद्

प्रिय युवा मित्रों. उपनिषद् का यह मंत्र हमें स्मरण कराता है कि युवा होना केवल आयु का विषय नहीं, बल्कि ऊर्जा, संकल्प और आदर्श का नाम है। युवा वह है जो साधु हो आचरण में शुद्ध, विचार में उच्च और व्यवहार में विनम्र। युवा वह है जो अध्ययनशील हो - निरन्तर सीखने की जिज्ञासा रखे, ज्ञान को साधना माने। युवा वह है जो आशिष्ठः हो - बड़े स्वप्न देखने का साहस रखे, राष्ट्र और मानवता के लिए श्रेष्ठ संकल्प धारण करे। युवा वह है जो द्रढ़िष्ठः हो - विपरीत परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य से न डिगे। और युवा वह है जो बलिष्ठः हो केवल शरीर से नहीं, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मबल से भी सशक्त हो। आइए, हम ऐसा युवा बनें जो अपने चरित्र से समाज को दिशा दे, अपने ज्ञान से राष्ट्र को समृद्ध करे और अपने संकल्प से भविष्य को उज्ज्वल बनाए। इसी में युवा संसद की हमारी साधना है, इसी में हमारी सफलता।

"The youth should be noble, well-educated, most hopeful, most firm, and most strong."— Taittiriya UpanishadDear

Young Friends,This mantra from the Upanishad reminds us that being "young" is not merely a matter of age, but a name for energy, determination, and ideals. A youth is one who is noble (Sadhu)—pure in conduct, high in thought, and humble in behavior.A youth is one who is studious (Adhyayaka)—possessing a constant curiosity to learn and treating knowledge as a spiritual practice.A youth is one who is most hopeful/resolute (Ashishthah)—having the courage to dream big and holding the highest resolutions for the nation and humanity.A youth is one who is most firm (Dradhishthah)—who does not waver from their goal even in the face of adverse circumstances.And a youth is one who is most strong (Balishthah)—empowered not only in body, but also in mind, intellect, and soul-force.Let us become such youth who guide society through character, enrich the nation through knowledge, and brighten the future through resolve.In this lies the dedication of our Youth Parliament; in this lies our success.

"युवा स्यात् साधु युवाऽध्यायकः आशिष्ठो द्रढिष्ठो बलिष्ठः।" – तैत्तिरीय उपनिषद्

प्रियाः युवा-मित्राणि,

उपनिषदः एषः मन्त्रः अस्मान् स्मारयति यत् 'युवा' इति न केवलं वयसः विषयः, अपितु ऊर्जा-सङ्कल्प-आदर्शानां पर्यायः अस्ति। युवा सः एव यः 'साधुः' स्यात्—आचरणे शुद्धः, विचारे उच्चः, व्यवहारे च विनीतः।

युवा सः भवेत् यः अध्ययनशीलः निरन्तर-जिज्ञासुः, ज्ञानं च साधनात्वेन स्वीकुर्यात्।

युवा सः यः 'आशिष्ठः' स्यात्—उत्तम-स्वप्नान् द्रष्टुं साहसी, राष्ट्राय मानवकल्याणाय च श्रेष्ठ-सङ्कल्पधारी च।

युवा सः यः 'दृढः' भवेत् यः विपरीतपरिस्थितिष्वपि स्वलक्ष्यात् न विचलितः स्यात्।

युवा च सः यः 'बलिष्ठः' स्यात्। न केवलं शरीरेण अपितु मनसा बुद्ध्या आत्मबलेन च सशक्तः।

आगच्छन्तु! वयं तादृशाः युवानः भवेम ये स्वचरित्रेण समाजं मार्गदर्शयेयुः, स्वज्ञानेन राष्ट्रं समृद्धं कुर्युः, स्वसङ्कल्पेन च भविष्यम् उज्ज्वलं विदध्युः।

एषा एव भावना अस्माकं युवा-संसदः साधना, अस्यामेव निहिता अस्माकं सफलता।

आचार्य प्रो. श्रीनिवास वरखेडी
कुलपति
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
नवदेहली

भारतीय युवा संसद

Indian Youth Parliament

Nagpur National Session

नागपुर राष्ट्रीय सत्र :
"भारतीय भाषा परिप्रेक्ष्य: पञ्च परिवर्तन: विकसित भारत-2047"
चैत्र शुक्ला विक्रम संवत-2083 : दिनांक: 20-23 मार्च, 2026
महर्षि व्यास सभागृह : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मुख्यालय-
डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति, रेशम बाग, नागपुर

आयोजन समिति:
अध्यक्ष:
प्रो.श्रीनिवास वरखेड़ी
कुलपति
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
नई दिल्ली

सचिव :
प्रो.आर.जी. मुरली कृष्ण
कुलसचिव
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
नई दिल्ली

संयोजक:
आशुतोष जोशी
राष्ट्रीय संयोजक
भारतीय युवा संसद

भा.यु.सं./2025-26/03
दिनांक – 30.01.2026

Respected Sir/Madam,

The National Session of the Indian Youth Parliament is being organized from March 20–23, 2026, by the Central Sanskrit University & the Indian Youth Parliament-Media Foundation. The event will be held at the Maharishi Vyas Auditorium, RSS Headquarters Campus (Dr. Hedgewar Smarak Samiti), Resham Bagh, Nagpur.

A maximum of 04 students (Age limit: 21 years) can be selected from your campus for this program. The registration fees (Residential/Non-residential) and travel expenses for all participating students will be borne by their respective institutions. The registration process is available at indianyouthparliament.co.in and indianyouthparliament.org.

भारतीय युवा संसद राष्ट्रीय सत्र का आयोजन दिनांक 20-23 मार्च 2026 तक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय तथा भारतीय युवा संसद-मीडिया फाउन्डेशन द्वारा महर्षि व्यास सभागृह - राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मुख्यालय परिसर (डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति) रेशम बाग, नागपुर किया जा रहा है।

आपके परिसर से उक्त कार्यक्रम में अधिकतम 04 विद्यार्थियों (आयु सीमा 21वर्ष) का चयन किया जा सकता हैं, सभी प्रतिभागी छात्रों के पंजीयन शुल्क (अनावासीय/आवासीय) तथा गमनागमन व्यवस्था सम्बन्धित संस्था द्वारा ही वहन किया जायेगा। इस सम्बन्ध में पंजीयन प्रक्रिया https://www.indianyouthparliament.co.in:https://www.indianyouthparliament.org पर उपलब्ध है।

आशुतोष

(Ashutosh Joshi)
National Convener – Indian Youth Parliament

Indian Youth Parliament : 29th National Session

Forging the Future of a Developed India

|| Indian Languages || Panch Parivartan || Developed India 2047 ||

20-23 March 2026 ● Nagpur, Maharashtra

A Defining Moment for India's Youth

Pillars of Discussion
(The Panch Parivartan)

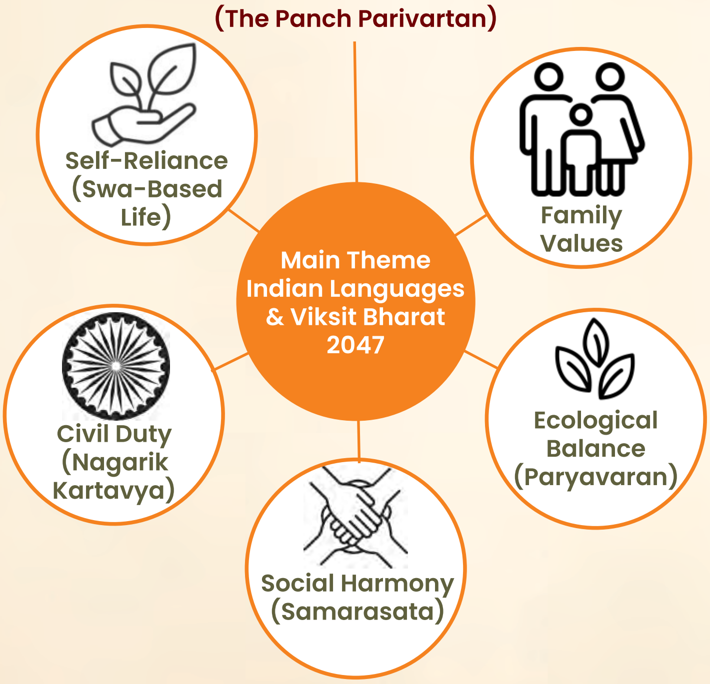

- Our Heritage: Explore how India's rich linguistic diversity, including 22 constitutional languages, can power a self-reliant future

- A Historic Backdrop : The session coincides with the celebration of Bharatiya Nav Varsh and the 100 year of the Rashtriya Swayamsevak Sangh, anchoring our forward-looking discussions in a deep cultural context.

- Your Voice is Essential : At the cusp of a new era, the perspectives of young leaders are critical to building a culturally rich and developed India.

This session is more than an event; it's a convergence at a pivotal time for our nation. We invite you to be part of a dialogue shaping the vision for 'Viksit Bharat 2047' (Developed India).

www.indianyouthparliament.co.in, www.mediafoundation.co.in, www.sanskrit.nic.in

Session Planning : Event Outline :

Day One 20/03/2026

12:00-00:00	Attendance
13:30-14:00	Lunch/Documentary
02:00-03:00	Workshop 01
03:00-03:45	International
16:00-17:30	Inaugural
18:00-19:00	Cultural
19:00-20:30	Dinner

Day Two 21/03/2026

07:00-07:30	Breakfast
07:30-07:55	Attendance
08:00-08:30	Workshop 01
08:30-09:55	International
10:00-10:30	Address 01
10:30-12:00	Session 01
12:30-13:30	Session 02
13:30-14:00	Lunch
14:00-14:30	Documentary
14:30-16:00	Session 03
16:00-17:30	Session 04
19:00-20:00	Cultural
20:00-21:00	Dinner

Day Two 22/03/2026

07:00-07:30	Breakfast
07:30-07:55	Attendance
08:00-08:30	Workshop 02
08:30-09:55	National
10:00-10:30	Address 02
10:30-12:00	Session 05
12:30-13:30	Session 06
13:30-14:00	Lunch
14:00-14:30	Documentary
14:30-16:00	Session 07
16:00-17:30	Session 08
19:00-20:00	Cultural
20:00-21:00	Dinner

Day Two 23/03/2026

07:00-07:30	Breakfast
07:30-07:55	Attendance
08:00-08:30	Workshop 03
08:30-09:55	Regional
10:00-10:30	Address 03
10:30-12:00	Session 09
12:30-13:30	Session 10
13:30-14:00	Lunch
14:00-14:30	Documentary
14:30-15:00	Session 11
15:00-17:00	Valedictory
18:00-20:00	Dinner

Heritage as the Engine of Innovation in Play fair Display Slate Navy

Thematic Focus: Indian Languages & Viksit Bharat 2047

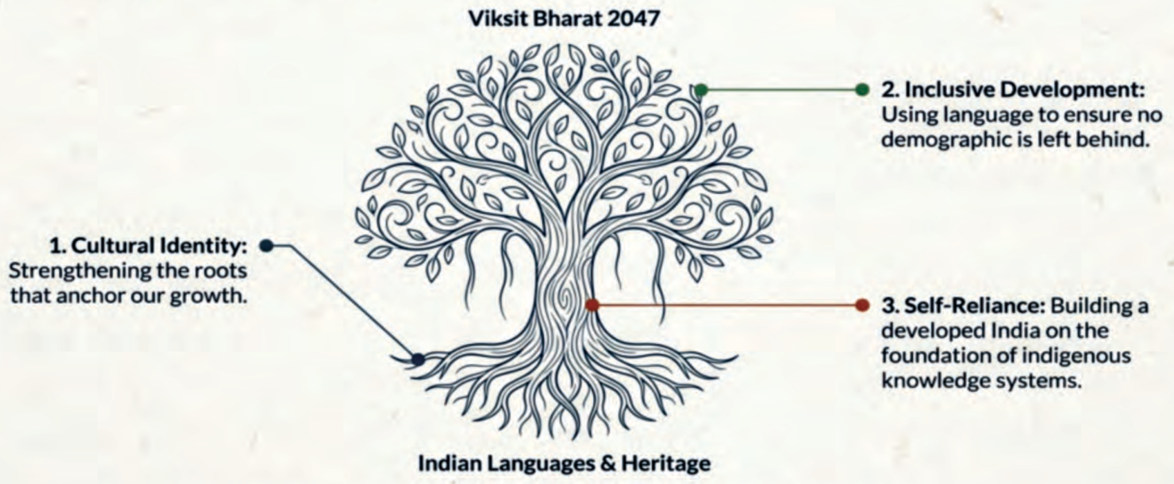

India's linguistic diversity is a powerful driver of national progress.

Shaping the Dialogue for a Developed India

The session's agenda is built on a central theme, supported by philosophical pillars and practical topics, ensuring a comprehensive and meaningful discussion.

Practical Topics for Deliberation:

- Current World, National & Regional Issues
- Grassroots Community Programmes
- Environment, Water & Diversity

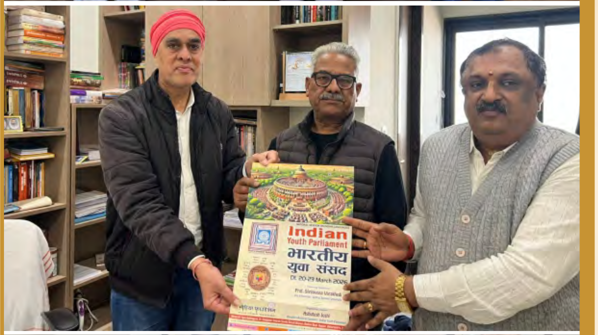

Not a Mock Parliament. A Real Dialogue.

The IYP format is designed for genuine engagement, not role-playing. You participate as yourself an engaged youth leader with a unique perspective to share. The future is unscripted, and so is our dialogue

What to Expect:

- ✔ Spontaneous Debate: Engage authentically on urgent national issues. No pre-written scripts or assigned portfolios.
- ✔ Interactive Workshops: Deep-dive sessions for hands-on analysis of topics like climate action and grassroots solutions.
- ✔ Direct Q&A: Challenge ideas and interact directly with distinguished keynote speakers and domain experts.
- ✔ 'Table Talk' Networking: Unparalleled access to mentors and guests during informal breakfast and lunch sessions for deeper one-on-one discussions.

An Immersive Four-Day Journey

Day 1 (20 March): Inauguration & Vision Setting

- **Focus:** Workshops, International Discussions, and the formal inaugural Session

Day 2 (21 March): Global & National Perspectives

- **Focus:** Deep dives into international affairs and national policy challenges through multiple sessions.

Day 3 (22 March): Grassroots & Regional Focus

- **Focus:** Workshops and sessions dedicated to community-level initiatives and specific regional issues.

Day 4 (23 March): Synthesis & Valediction

- **Focus:** Final sessions to consolidate ideas, concluding addresses, and the Valedictory Ceremony.

Registration Fees & Inclusions

Participant Category	Without Accommodation (Non-Residential)	With Accommodation (Residential)
Student	3100/- (Under 18-21 yrs)	9000/-
Youth	3500/- (Under 21- 23 yrs)	9500/-
Others	4100/- (Scholar & Faculty)	10500/-

Item Provided	Non-Residential Package	Residential Package
Certificate, Publication, T-Shirt, Folder, Kit	✓ Yes	✓ Yes
Breakfasts	✓ 3 Breakfasts	✓ Breakfasts
Lunches	✓ 4 Lunches	✓ 4 Lunches
Accommodation	✓ 3 Dinners	✓ 4 Dinners
Local Transport	X No	✓ Yes (Share basis)
	X No	✓ Yes (To/from venue)

www.indianyouthparliament.co.in, www.mediafoundation.co.in, www.sanskrit.nic.in

Your Platform for National Impact

For two decades, the Indian Youth Parliament has been a premier leadership incubator, consistently activating social awareness and leadership skills in the nation's future generation

Our Core Objectives

Bridge the Gap: Acting as a vital Ink between youth, governance, legislative mechanisms, and civil society.

Develop Leaders: Providing a space for young leaders to refine skills and understand the intricacies of parliamentary processes.

Drive Social Impect: Channeling the energy of exceptional youth towards the owards the betterment of society and the 'Viksit Bharat vision. erment of society and the fulfilment of the 'Viksit Bharat vision.

A legacy of 28 successful national sessions, shaping the discourse from Ladakh to Central India

A Confluence of Minds, A Celebration of Languages

The 29th National Session is an unprecedented gathering designed to foster a pan-india dialoque. We are bringing together the brightest young minds to deliberate on our collective future.

750-800+ Selected Youth Leaders	**500+** Districts Represented
22+ Indian Languages in Focus	**4** Days of Immersive Dialogue

A Global Perspective

We welcome a diverse cohort, including delegates from across India and international students and research scholars. Last session saw participation from 25 Indian 36 States and UT also 15 Foreign Institutions

Delegate Checklist: What You Need to Know

Please review these essential points to ensure a smooth and successful experience

Mandatory ID : Carry your physical Institutional I-Card (Students) or Aadhar Card (Others) at all times

Full Attendance: Attendance is compulsory for all sessions to be eligible for the participation certificate

Dress Code: Formal or semi-formal attire is required. No religious dress code is permitted

Travel Costs : Participants are responsible for booking and bearing the full cost of their own travel to and from Nagpur.

Accommodation Window: The residential package covers stay strictly from 11:00 AM on 20 March to 11:00 AM on 24 March.

Securing Your Place: A Step-by-Step Guide

1. **Visit the Official Website :** Register at www.indianyouthparliament.co.in or www.indianyouthparliament.org.

2. **Complete the Registration Form :** Fill in all required personal and institutional details accurately

MFIYP@SBI

3. **Submit Payment via NEFT/RTGS :**

   Account Name: Media Foundation
   Account No.: 6131646817
   IFSC Code: SBIN0006912
   Alas let the alternate eccount: Indion Youth Porisment A/C mm. 61288671208, FSC Code SRING006912

4. **Forward Nomination (if applicable) :** Ensure institutional nominations are officially sent by your Principal/HOD/Registrar.

5. **Await Official Confirmation :** Your registration is provisional until you receive a final confirmation email.

Governing Council

CHAIR

Prof. Shrinivasa Varakhedi
Hon'ble Vice-Chancellor
Central Sanskrit University, Delhi

COORDINATOR

Prof. R.G. Murali Krishna
Registrar
Central Sanskrit University, Delhi

CONVENER

Ashutosh Joshi
National Convener
Indian Youth Parliament

A legacy of 28 successful national sessions, shaping the discourse from Ladakh to Central India

Join the Conversation

Stay connected with us for the latest updates and feel free to reach out with your queries

Follow Us

- Instagram: @indian_youth_parliament
- Facebook: /BhartiyaYuwaSansad
- X: @youthparlia
- LinkedIn: /in/indianyouthparliament
- YouTube: /c/indianyouthparliament

- Instagram: CentralSanskrit UniversityDelhi
- Facebook: centralsanskrit
- X: centralsanskrit
- LinkedIn: centralsanskrituniversity
- YouTube: @centralsanskrit

Contact For Specific Inquires

Dr. Devanand Shukl
+91-9205968100

Dr. Yogendra Dixit
+91-9414297318

Dr. Arpit Sharma
+91-8209874889

Ravi Upadhyay
+91-8982717146

Frequently Asked Questions :
Find answers to common queries about the symposium.

Why join the Indian Youth parliament?:
It seeks to transform the outlook of young minds for their involvement and access in societal and rational causes for nurturing the dreams and legitimate aspirations of young and resurgent faces of India for strengthening the foundation of Indian democratic leadership. It imparts practical leadership training to prepare the youth for future leadership in the fields of Society, Politics, Journalism, Service sectors. It encourages the students to serve the society by entering into public life and assuming leadership roles.

What are the Objectives of Indian Youth parliament?:
To create a common platform for the young student leaders. To facilitate interaction with eminent leaders from different sectors. To sensitize the participants to think on regional, national & global issues. To focus on the areas which need immediate attention followed by action. To create solidarity and a sense of togetherness among the participants for future cooperation. To foster brotherhood and mutual understanding. To inculcate democratic outlook. To initiate a process to attain equality & social harmony.

What is the Indian youth Parliament's vision?:
The Indian Youth Parliament envisages that motivated, committed and political youth leaders will emerge to provide a positive and effective leadership to their country and practice morality and politics for the betterment of the country and the world.

What is the Indian Youth Parliament?:
IYP is a platform on which youth from all ideologies-political, religious, sectarian or otherwise-assemble to voice their opinions. It is the awakening dialog in India to evolve future youths. It seeks to transform the outlook of youth minds for their involvement and access in societal and rational causes for nurturing the dreams and legitimate aspirations of young and resurgent faces of India for strengthening the foundation of Youth. It imparts practical training to prepare the youth for politics & society. It encourages the youth to serve the society by entering into public life and assuming roles. IYP conduct a unique and nationally significant and nationally significant 3-days Indian Youth Parliament in September, 15-17 on the occasion of World Democracy Day each year.

Is the Indian Youth parliament like other student or youth wings of political parties?:
IYP is an independent and neutral organization that does not take political positions on the issues it addresses. It is rather a non-political organization established to transform the outlook of young minds for their involvement and access in societal and rational causes for nurturing the dreams and legitimate aspirations of young and resurgent faces of India for strengthening the foundation of Indian democratic leadership. Neither does it have any political affiliation of any sorts nor does it support any political ideology.

How is the Indian Youth parliament funded?:
Indian Youth parliament is a foundation which is not funded or aided by any other organization. It tries to meet some of its expenses partly through participation fee and a few sponsorship. Indian Youth parliament is a not-for-profit foundation. We are yet to generate any surpluses of any kind as organizing expenses are far more than the amount generated as explained above.

In case of any problem or query where shall I contact?:
In case of any query, please do not hesitate to contact us on +91-9024810119. In case you need more clarifications, you may send us your queries on iyp@sanskrit.ac.in

INDIAN YOUTH PARLIAMENT, NAGPUR NATIONAL SESSION 2026

About the Indian Youth Parliament (IYP)

A national platform connecting youth with governance and democratic values

- Focus on leadership development and parliamentary understanding.
- Encourages youth participation in nation-building and social development.
- Aligned with the vision of 'Viksit Bharat 2047'.

Key Discussion Areas

Indian Languages and cultural heritage

- World, national, and regional issues.
- Environment, water, and ecological balance.
- Grassroots programs and youth-led initiatives.
- 'Panch Parivartan' aligned with Viksit Bharat 2047.

Conclusion

A unique national platform for youth leadership and democratic engagement

- Encourages inclusive dialogue and policy-oriented thinking.
- Strengthens India's linguistic and cultural identity.
- Contributes meaningfully to the vision of a developed India by 2047.

In Association With:-

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwa Vidyalaya Wardha

www.indianyouthparliament.co.in, www.mediafoundation.co.in, www.sanskrit.nic.in

कौटिल्य
KAUTILYA

शासन के सिद्धान्त

आम लोगों का हित, कानून व्यवस्था और बहुस्तरीय निर्णय का तरीका शासन व्यवस्था के आधार रहे हैं, जिनके उल्लेख वैदिक साहित्य में मिलते हैं। कौटिल्य की रचना 'अर्थशास्त्र' में ऐसे ही जन-कल्याणकारी तथा न्यायपूर्ण शासन के सिद्धान्तों का विस्तार से वर्णन है।

आन्वीक्षिकी त्रयी वार्ता दण्डनीतिश्चेति विद्याः।

आन्वीक्षिकी, त्रयी, वार्ता एवं दण्डनीति - ये चार विद्याएं (विषय) हैं।

कौटिल्य ने अपने अर्थशास्त्र (विनयाधिकरण) में निम्नलिखित को मुख्य विद्याओं के रूप में माना है: आन्वीक्षिकी (तर्क), त्रयी (तीन वेद - ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद) वार्ता (कृषि, व्यापार, वाणिज्य), दंडनीति (विधि शास्त्र)

THE PRINCIPLES OF GOVERNANCE

Public welfare, the rule of law, and multi-layered decision-making have always been integral and central to governance in Bharat, as mentioned in the Vedas. The Arthashastra of Kautilya also elaborates on these people-oriented and just principles of governance.

VIDYAS (DISCIPLINES) :

Anvikshiki, Trayi, Varta and Dandaniti – these are four vidyas (disciplines). Kautilya in his Arthashastra (Vinyadhikarana) considers the following as core disciplines: Anvikshiki (Logic/ Reasoning), Trayi (Three Vedas - Rigveda, Yajurveda, Samaveda), Varta (Agriculture, Trade, Commerce) Dandaniti (Science of Law)

प्रकृति : स्वामी, अमात्य, जनपद, दुर्ग, कोष, दण्ड (सेना), और मित्र ये सात प्रकृतियां हैं।

राजा के गुण : वाग्मी, प्रौढ़, स्मरणशील, बलवान, मतिमान, उत्साही, दृढ़-निश्चयी, शिल्पवेत्ता, व्यसन में दण्ड देने वाला, किसी के उपकार या अपकार का यथोचित प्रतीकार करने वाला, लज्जावान, आपत्ति आदि में साधनों का विनियोक्ता, दीर्घदर्शी-दूरदर्शी, देश-काल, पुरुषार्थ और कार्य की प्रधानता वाला, संधि के प्रयोगों को समझने वाला, पराक्रमी, त्यागशील, संयमी, प्रजा को कष्ट दिए बिना ही कोष को बढ़ाने वाला, अपने मन्त्र को गुप्त रखने वाला, दूसरे का उपहास न करने वाला, टेढ़ी भौहें करके न देखने वाला, काम-क्रोध-लोभ-मोह चपलता-उपताप एवं चुगलखोरी (पैशुन्य) से सदा अलग रहने वाला, प्रियभाषी, हंसमुख, परिस्थिति अनुकूल वक्ता और वृद्धजनों के उपदेशों को व्यवहार में लाने वाला राजा आत्मसंपन्न कहा जाता है।

प्रकृति (राज्य के तत्व) एवं राजा के गुण : जो विद्वान् राजा सभी के कल्याण में लगा रहता है और प्रजा के शासन और शिक्षण में तत्पर रहता है वह चिरकाल तक पृथ्वी पर निर्बाध शासन करता है। प्रिय एवं हितकारी बात को कह देना चाहिए, प्रिय होते हुए भी अहितकारी बात को नहीं कहना चाहिए परन्तु हितकारी बात यदि अप्रिय भी हो तब भी वह कह देनी चाहिए। प्रजा से ही राज्य है। बिना प्रजा के राज्य व्यर्थ है। राजा, अर्थात् राज्य को बच्चों, वृद्धजनों, बीमार और असहाय प्रजा, तथा पीड़ित महिलाओं की देखभाल करनी चाहिए।

PRAKRITI (ELEMENTS OF THE STATE) AND THE QUALITY OF THE RULER : Prakriti : The ruler, the minister, the country, the fortified city, the treasury, the army, and the ally are the constituents (of the state).

THE QUALITY OF THE RULER : Eloquent, bold, endowed with memory, intellect and strength, good administrator, trained in arts, free from vices, able to lead the army, (able to strike at) the enemy's weak points, well-guarded, not laughing in an undignified manner, with a straight glance and without a frown, devoid of passion, anger, greed, stiffness, fickleness, troublesomeness and slander, sweet in speech, speaking with a smile, and with dignity, in conduct conforming to the advice of elders. Raja, educated in various branches of learning, concerned with disciplining his own people, and devoted to the welfare of all beings, enjoys the territory uncontested. When asked, one should express what is pleasant and beneficial, should not express what is harmful, though pleasant; or, he may, with permission, express in private what is unpleasant but beneficial, when the (ruler) is prepared to listen. It is the people who constitute a kingdom; like a barren cow, a kingdom without people yields nothing. The ruler should look after children, aged persons, sick and helpless people, and women in distress.

स्वाम्यमात्यजनपददुर्गकोशदण्डमित्राणि प्रकृतयः।
तत्र स्वामिसम्पत् प्रज्ञा(वाग्मी)
प्रगल्भः स्मृतिमतिबलवानुदग्रः
स्ववग्रहः कृतशिल्पोऽव्यसनो
दण्डनाद्युपकारापकारयोर्दृष्टप्रतीकारी
ह्रीमानापत्प्रकृत्योर्विनियोक्ता दीर्घदूरदर्शी
देशकालपुरुषकारकार्यप्रधानः सन्धिविक्रमत्यागसंयम
पणपरच्छिद्रविभागी
संवृतोऽदीनाभिहास्यजिह्मभ्रुकुटीक्षणः
कामक्रोधलोभस्तम्भचापलोपतापपैशुन्यहीनः
शक्यस्मितोदग्राभिभाषी वृद्धोपदेशाचार इत्यात्मसम्पत्।
(अर्थशास्त्र 6/1/1, 6)

विद्याविनीतो राजा हि प्रजानां विनये रतः।
अनन्यां पृथिवीं भुङ्क्ते सर्वभूतहिते रतः॥
(अर्थशास्त्र 1/5/17)

पृष्टः प्रियहितं ब्रूयान्न ब्रूयादहितं प्रियम्।
अप्रियं वा हितं ब्रूयाच्छृण्वतोऽनुमतो मिथः॥
(अर्थशास्त्र 5/4/12)

पुरुषवद्धि राज्यम्। अपुरुषा गौर्वन्ध्येव किं दुहीत।
(अर्थशास्त्र 7/11/24-25)

बालवृद्धव्याधितव्यसन्यनाथांश्च राजा बिभृयात्,
स्त्रियमप्रजातां प्रजातायाश्च पुत्रान्॥
(अर्थशास्त्र 2/1/26)

प्रमुख अतिथि

Keynote Speakers

श्री सी.पी. राधाकृष्णन
मा. उपराष्ट्रपति - भारत
मा. सभापति - राज्यसभा

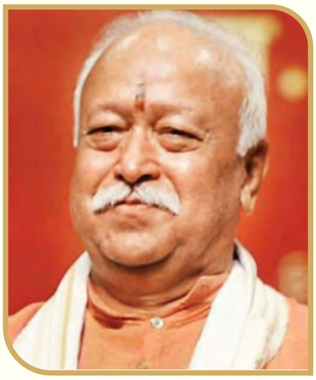

श्री मोहन राव भागवत
मा. सरसंघचालक
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

श्री चिन्नाजीयर स्वामी जी
उभयवेदान्त पीठाधीश्वर

श्री विश्वप्रपन्नतीर्थ स्वामी जी
पेजावर मठाधीश्वर

श्री जिष्णुदेव वर्मन
मा. राज्यपाल तेलंगाना

श्री आरिफ मोहम्मद खान
मा. राज्यपाल बिहार

श्री कवीन्द्र गुप्ता
मा. उप-राज्यपाल लद्दाख

श्री धर्मेन्द्र प्रधान
मा. केन्द्रीय शिक्षामंत्री
भारत सरकार

श्री शेरिंग लॉगकुमार
मा. विधानसभा अध्यक्ष
नागालैण्ड

श्रीमती ऋतु खण्डूरी भूषण
मा. विधानसभाध्यक्ष
उत्तराखण्ड

डॉ. नुमाल मोमिन
मा. विधानसभा उपाध्यक्ष
असम

श्री थोकचोम राधेश्याम
पूर्व शिक्षा मंत्री
मणिपुर

श्री कृष्ण गोपाल जी
मा. सह सरकार्यवाह
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

श्री मुकुल कानिटकर
मा. विमर्श प्रमुख
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

श्री चमूकृष्ण शास्त्री
मा. अध्यक्ष
भारतीय भाषा समिति

डॉ. चन्द्रप्रकाश द्विवेदी
अभिनेता एवं
फिल्म निर्माता

श्री अमिताभ अग्निहोत्री
सम्पादक
राष्ट्रवाणी 24x7